KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Monetary Policy (मौद्रिक नीति)

- CRR (Cash Reserve Ratio)
- SLR (Statutory Liquidity Ratio)
- LAF (Liquidity Adjustment Facility)
  - Repo Rate
  - Reverse Repo Rate
- Bank Rate
- MSF (Marginal Standing Facility)
- OMO (Open Market Operations)

Quantitative Tools	मात्रात्मक उपकरण
Bank Rate	**बैंक दर**
▪ **Current Bank Rate - 6.75%**	• **वर्तमान बैंक दर - 6.75%**
▪ **It is the rate at which RBI offers long term loans to commercial banks.**	• **यह वह दर है जिस पर RBI वाणिज्यिक बैंकों को दीर्घकालिक ऋण प्रदान करता है।**
▪ **To control Inflation RBI increases Bank Rate.**	▪ **मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई बैंक दर बढ़ाता है।**

Quantitative Tools

MSF (Marginal Standing Facility)

- **Current MSF Rate** – 6.75%
- Marginal Standing Facility (MSF) refers to the rate at which banks can **borrow overnight funds from the RBI** in exchange for authorized government securities.
- To control Inflation **RBI increases MSF.**

मात्रात्मक उपकरण

एमएसएफ (सीमांत स्थायी सुविधा)

- वर्तमान एमएसएफ दर - 6.75%
- मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) उस दर को संदर्भित करती है जिस पर बैंक अधिकृत सरकारी प्रतिभूतियों के बदले आरबीआई से रातोंरात धन उधार ले सकते हैं।
- मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई MSF बढ़ाता है।

MSF (Marginal standing facility) ÷ 6.75%

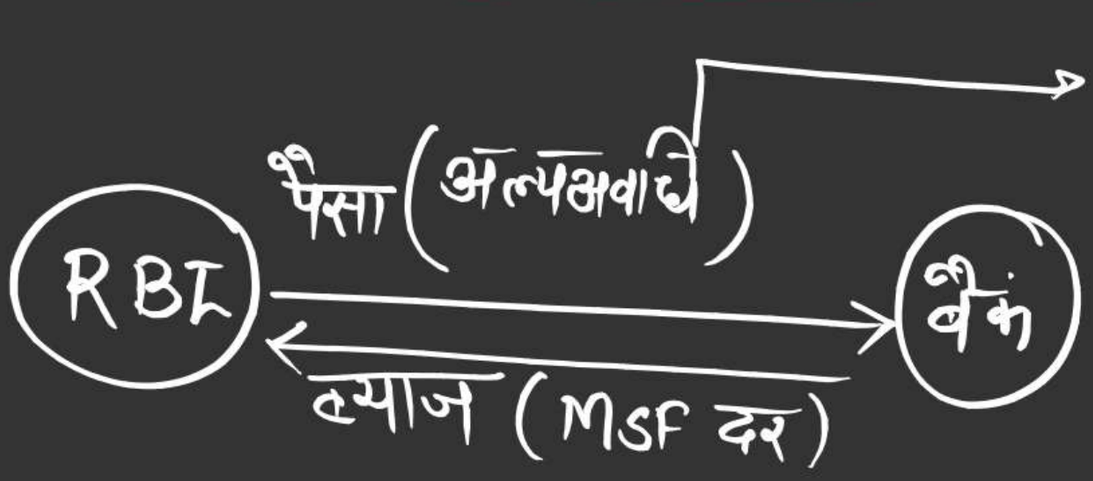

→ अधिक से अधिक 24 घंटे / 1 दिन / ओवरनाइट

Quantitative Tools	मात्रात्मक उपकरण
OMO (Open Market Operations) • In this process RBI buying and selling of government securities to control the liquidity of money in the market. • To control Inflation RBI sells Government Securities.	**ओएमओ (खुला बाजार परिचालन)** ▪ इस प्रक्रिया में आरबीआई बाजार में पैसे की तरलता को नियंत्रित करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री करता है। ▪ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई सरकारी प्रतिभूतियां बेचता है।

OMO (open Market operation) — इस प्रक्रिया में RBI, बाजार में Govt. Security (सरकारी प्रतिभूति) जैसे बॉण्ड को बेचकर या खरीदकर मुद्रा के प्रवाह को नियंत्रित करता है।

खुली बाजार प्रक्रियाएँ

(तरीका)

रामबाण इलाज

मुद्रास्फीति (Inflation) की स्थिति में, RBI :-

(1) CRR = बढ़ा देगा

(2) SLR = -"-

(3) रेपो दर = -"-

(4) रिवर्स रेपो दर = -"-

(5) बैंक दर = -"-

(6) MSF = -"-

(7) OMO = सरकारी प्रतिभूतियों को बेचेगा ।

मौद्रिक नीति समिति
Monetary Policy Committee (MPC)

→ 2016 में बनाया गया

→ भारत सरकार द्वारा

→ 6 सदस्य
- RBI (3)
  - गवर्नर (अध्यक्ष)
  - उप-गर्वनर
  - अधिकारी
- भारत सरकार (3)
  - रमेश सिंह
  - सौगात भट्टाचार्य
  - नागेश कुमार

→ 4 वर्षों के लिए

→ 1 वर्ष में = कम से कम 4 बार।

→ कम से कम सदस्य = 4 सदस्य (कोरम)

Monetary policy Committee

- Section 45ZB of the amended RBI Act, 1934 provides for an empowered six-member monetary policy committee (MPC) to be constituted by the Central Government by notification in the Official Gazette.
- The first such MPC was constituted on September 29, 2016.

मौद्रिक नीति समिति

- संशोधित आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45जेडबी केंद्र सरकार द्वारा आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा गठित एक सशक्त छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का प्रावधान करती है।
- इस तरह की पहली एमपीसी का गठन 29 सितंबर, 2016 को किया गया था।

Monetary policy Committee	मौद्रिक नीति समिति
1. Governor of the Reserve Bank of India—Chairperson, ex officio;	1. भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर-अध्यक्ष, पदेन;
2. Deputy Governor of the Reserve Bank of India	2. भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर
3. One officer of the Reserve Bank of India to be nominated by the Central Board—Member, ex officio;	3. केंद्रीय बोर्ड दवारा नामित भारतीय रिज़र्व बैंक का एक अधिकारी - पदेन सदस्य;
4. Ram Singh – Member;	4. राम सिंह - सदस्य;
5. Saugata Bhattacharya – Member;	5. सौगत भट्टाचार्य - सदस्य;
6. Nagesh Kumar– Member ,	6. नागेश कुमार- सदस्य,

Monetary policy Committee	मौद्रिक नीति समिति
• The MPC is required to meet at least four times in a year. • The quorum for the meeting of the MPC is four members.	• एमपीसी को एक वर्ष में कम से कम चार बार मिलना आवश्यक है। • एमपीसी की बैठक के लिए कोरम चार सदस्यों का है।

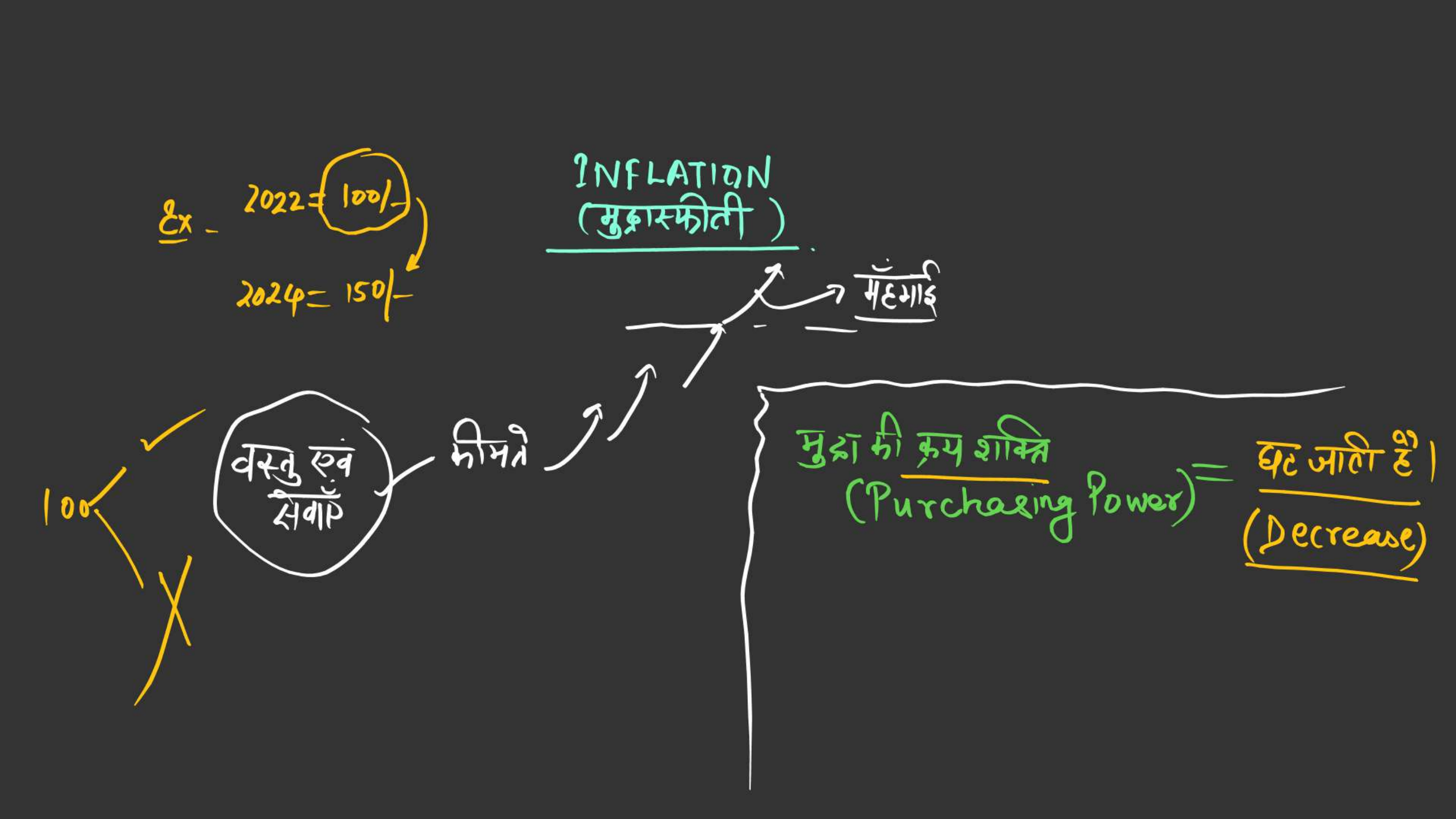

INFLATION
(मुद्रास्फीती)

Ex - 2022 = 100/-

2024 = 150/-

100 ✓ / ✗

वस्तु एवं सेवाएँ — कीमतें ↗ — मँहगाई

मुद्रा की क्रय शक्ति (Purchasing Power) = घट जाती है। (Decrease)

Inflation	मुद्रा स्फ़ीति
• Inflation is an increase in the general price level of goods and services in an economy.	• मुद्रास्फीति किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में वृद्धि है।
• Inflation reduces the purchasing power of money.	• मुद्रास्फीति पैसे की क्रय शक्ति को कम कर देती है।

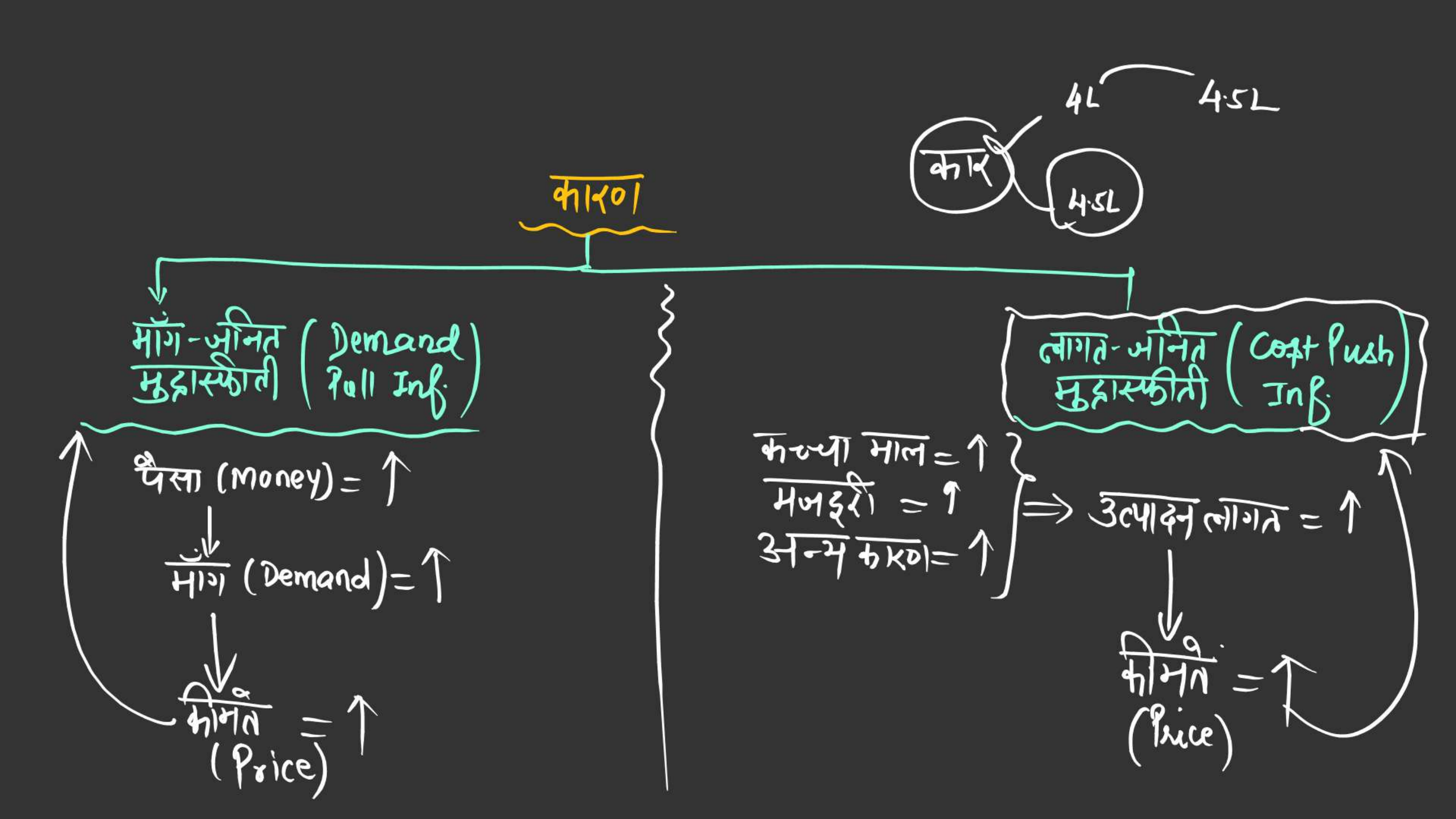
4L
4.5L
कार
कार
4.5L
कारण
माँग-जनित मुद्रास्फीति (Demand Pull Inf.)
पैसा (Money) = ↑
माँग (Demand) = ↑
कीमत (Price) = ↑
लागत-जनित मुद्रास्फीति (Cost Push Inf.)
कच्चा माल = ↑
मजदूरी = ↑
अन्य कारण = ↑
⇒ उत्पादन लागत = ↑
कीमतें (Price) = ↑

Causes of Inflation

Demand-Pull Inflation Theory :

- DPI originates in the monetary sector. Monetarists' argument that "only money matters" is based on the assumption that at or near full employment excessive money supply will increase aggregate demand and will, thus, cause inflation.

मुद्रास्फीति के कारण

मांग-जन्य मुद्रास्फीति सिद्धांत:

- DPI की उत्पत्ति मौद्रिक क्षेत्र में होती है। मुद्रावादियों का तर्क है कि "केवल पैसा मायने रखता है" इस धारणा पर आधारित है कि पूर्ण रोजगार पर या उसके निकट अत्यधिक धन आपूर्ति से कुल मांग में वृद्धि होगी और इस प्रकार, मुद्रास्फीति का कारण होगा।

Causes of Inflation

Cost-Push Inflation Theory:

- It is the cost factors that pull the prices upward.
- One of the important causes of price rise is the rise in price of raw materials.
- For instance, by an administrative order the government may hike the price of petrol or diesel or freight rate. This leads to an upward pressure on cost of production.

मुद्रास्फीति के कारण

लागत-जन्य मुद्रास्फीति सिद्धांत:

- यह लागत कारक हैं जो कीमतों को ऊपर की ओर खींचते हैं।
- मूल्य वृद्धि का एक महत्वपूर्ण कारण कच्चे माल की कीमत में वृद्धि है।
- उदाहरण के लिए, एक प्रशासनिक आदेश से सरकार पेट्रोल या डीजल की कीमत या माल ढुलाई दर में बढ़ोतरी कर सकती है। इससे उत्पादन लागत पर दबाव बढ़ जाता है।

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING